* पुणे ग्लोबल फेस्टीवल *

(१ नवम्बर २००९)

सच, सत्य अपने आपमें एक अद्‌भूत होता है। उसके अंदर सच्चाई की मिठास, पावनता की खुश्बू, भगवत शक्ति की रहानियत होती है। ऐसा आँखो देखा हाल हम ने पूना की विराट स्टेज पर देखा। सिर्फ हम ने ही नहीं पुण्यनगरी के ६५ हजार भाई-बहनों ने देखा। भक्ति का फल प्राप्त करने की तृप्ती उनकी आँखो में हम भी देख रहे थे।

शाम के समय में 'ग्लोबल फेस्टीवल' थीम का लोगो लाईट और माईट से चमक रहा था। नृत्यांगना स्वाती बहन ने अपनी कला से सबको संगीत की अनुभूती का रसास्वादन कराया।

रशिया से पधारी राजयोगिनी चक्रधारी दीदीने देश-विदेश की ईश्वरीय सेवा की महक-चहक का साक्षात्कार कराया, परिवर्तन की गाथाओं से भरे अनुभव सुनाये। लंडन से पधारी मॉरीन बहन ने तो प्रॅक्टिकल जीवन की धारणाओं से ईश्वरीय जीवन का संदेश दिया।

अध्यक्षा राजयोगिनी संतोष दीदीजीने ऱ्हदय को भरपूरता का प्रसाद बाँटनेवाले आशीर्वचन का अनुभव कराया। देहली से पधारे राजयोगी भ्राता बृजमोहन भाईजी ने कितने सरल शब्दों में आत्मा परमात्मा के मिलन का, प्रभु-मिलन का स्पष्ट नजारा दिखाया। बेहद विशाल स्टेज पर पुण्यनगरी के गणमान्य पदाधिकारीयों की रिमझिम लगी हुई थी। हरेक का दिलस्पर्शी स्वागत भी चल रहा था।

निर्विघ्न शक्तिस्वरुपा स्थिती का वह अनोखा साक्षात्कार अर्थात १ नवम्बर २००९ का पुणे ग्लोबल फेस्टीवल, जिसकी यादें आज भी हमें तरो-ताजा कर रही है...